भाजपा विधायक सीमा त्रिखा और एमसीएफ के चार अफसरों के करप्शन के खिलाफ एसआईटी गठित

लोकायुक्त के निर्देश पर सरकार का फैसला, लेकिन बड़ा सवाल- क्या एमएलए के खिलाफ हो पाएगी जांच

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: हरियाणा के लोकायुक्त के निर्देश पर खट्टर सरकार ने विधायक सीमा त्रिखा और नगर निगम फरीदाबाद (एमसीएफ) के चार अफसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। इस एसआईटी को तीस दिनों में अपनी रिपोर्ट देनी है। भाजपा विधायक सीमा त्रिखा से जुड़े भ्रष्टाचार के ये मामले उस समय के हैं, जब वो खट्टर सरकार के पिछले कार्यकाल में मुख्य संसदीय सचिव (सीपीएस) थीं।

एसआईटी में चार अधिकारी

भाजपा विधायक सीमा त्रिखा और चार एमसीएफ अफसरों के खिलाफ जांच के लिए जो एसआईटी गठित की गई है, उसमें डायरेक्टर शहरी निकाय विभाग पंचकूला, कमिश्नर एमसीएफ यशपाल यादव और ज्वाइंट कमिश्नर एमसीएफ प्रशांत अटकान को रखा गया है। सीमा त्रिखा के अलावा जिन चार एमसीएफ अफसरों के खिलाफ जांच होनी है, वो तत्कालीन ज्वाइंट कमिश्नर नरहरि सिंह बांगड़, तत्कालीन एसडीओ पद्मभूषण, तत्कालीन जेई डी. के. सोलंकी और मदन लाल हैं। सूत्रों ने बताया कि इन सभी एमसीएफ अफसरों को नोटिस जारी कर व्यक्तिगत रूप से तलब किया गया है। इसके अलावा इनसे जुड़े विभागों की फाइलों को भी मांगा गया है। आदेश आने के बाद एमसीएफ में खासी हलचल रही।

जिन विभागों की फाइलों को तलब किया गया है, उनसे जुड़े मौजूदा अफसर इस जांच से खासे परेशान हैं। हरियाणा सरकार की ओर से यह आदेश अतिरिक्त चीफ सेक्रेटरी शहरी निकाय विभाग एस.एन. रॉय ने जारी

किया है।

क्या हैं इन पर गंभीर आरोप

एडवोकेट नरेन्द्र गाबा ने अपनी शिकायत में कहा था कि सीमा त्रिखा ने अपने पद और रसूख का दुरुपयोग कर फरीदाबाद एनआईटी इलाके में अवैध निर्माण और अवैध कब्जों को बढ़ावा दे रखा है। एमसीएफ के इन चार अफसरों की मिलीभगत से अवैध निर्माण और अवैध कब्जों का रैकेट चलाया जा रहा है। ज्वाइंट कमिश्नर बांगड़, एसडीओ पद्मभूषण, जेई डी. के. सोलंकी और मदन लाल सीमा त्रिखा के इशारे पर आम जनता को नोटिस जारी करते हैं। फिर डराकर रिश्वत वसूली जाती है। यहां तक कि इन लोगों ने मनचाही सीट दिलाने के लिए नगर निगम के कर्मचारियों से भी रिश्वत ली। लोकायुक्त और हरियाणा सरकार को की गई शिकायत में शिकायतकर्ता ने विधायक सीमा त्रिखा, बांगड़, पद्मभूषण, सोलंकी और मदन लाल के लिए माफिया गिरोह शब्द इस्तेमाल किया है। इनमें से बांगड़ का तबादला हो चुका है, जबकि बाकी तीनों अभी भी एमसीएफ में हैं। पद्मभूषण और डी.के. सोलंकी तरक्की पाकर सहायक अभियंता और मदन लाल एक्सईएन बन चुका है।

सरकारी जमीन पर सीमा त्रिखा का कब्जा

कौड़ी मोहल्ला में सरकारी जमीन पर कब्जा करके एक बड़ा हॉल बनाया गया है, जिनमें शादी और अन्य कार्यक्रम होते हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि विधायक सीमा त्रिखा ने सरकारी जमीन पर कब्जा करके यह हॉल बनवाया है। सरकारी जमीन पर कब्जा कराने और उसे बनवाने में एमसीएफ के चारों अफसर शामिल हैं। इस अवैध निर्माण के बारे में 2015 से लगातार नगर निगम से लेकर हरियाणा सरकार को शिकायतें की गई हैं। लेकिन उस हॉल पर एमसीएफ का पीला पंजा नहीं चला। इस संबंध में आरटीआई के जरिए भी सूचना मांगी गई, लेकिन एमसीएफ कमिश्नर ने आज तक उस हॉल के बारे में कोई सूचना नहीं दी। शिकायकर्ता का आरोप है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर अपने विधायक के कारनामों की जांच कभी नहीं होने देना चाहेंगे। इसलिए सूचनाएं भी नहीं दी जा रही हैं।

इसके अलावा एनएच 1, एनएच 2, एनएच 3, एनएच 5 में किए गए अवैध निर्माण की लंबी सूची भी शिकायकर्ता ने भेजी थी। इन सभी मामलों में एमसीएफ के उक्त चार अफसरों पर मोटी रिश्वत लेकर उन अवैध निर्माणों की अनदेखी करने का आरोप है। इनमें से कुछ मामलों में सीएम विन्डो से जवाब भी मांगा गया, लेकिन उन चारों अफसरों ने वहां गलत रिपोर्ट भेजी। कई मामलों में लिखा गया कि प्लॉट मालिक ने अब अपना अवैध निर्माण हटा लिया है।

अफसर नपेंगे लेकिन मैडम बचेंगी

हरियाणा सरकार की एसआईटी एमसीएफ के चार अफसरों के बारे में तो कुछ न कुछ तथ्यात्मक रिपोर्ट जरूर दाखिल करेगी, लेकिन यह एसआईटी भाजपा विधायक सीमा त्रिखा के खिलाफ कुछ नहीं लिख पाएगी, इसमें संदेह ही नहीं पूरा यकीन है। अगर सरकारी एसआईटी भाजपा विधायक के भ्रष्टाचार पर कुछ लिख सकी तो यह हरियाणा के राजनीतिक इतिहास में दर्ज हो जाएगा। सूत्रों का कहना है कि इसके संकेत अभी से मिलने लगे हैं। इस संबंध में सरकार की ओर से भाजपा विधायक को कोई पत्र नहीं लिखा गया है। शोर सिर्फ उन्हीं चार एमसीएफ अफसरों का मचा है, जबकि चारों भाजपा विधायक के साथ मिलीभगत करके सारा रैकेट चलाते रहे हैं। एमसीएफ के एक अधिकारी ने कहा कि हरियाणा सरकार कोई भी एसआईटी बना दे, उस एसआईटी के प्रोटोकॉल में किसी विधायक की जांच कभी शामिल नहीं होगी। अलबत्ता कोई आयोग वगैरह ही नेता के खिलाफ जांच करते हैं। ऐसे में हरियाणा सरकार की यह एसआईटी शायद अपनी रिपोर्ट में सीमा त्रिखा का जिक्र तक नहीं करे।

देखी-सुनी

खबरीलाल

किसने खाए हैं एक करोड़

नगर निगम फरीदाबाद (एमसीएफ) की हर सुबह घोटालों से शुरू होती है। इन दिनों तमाम अफसरों और कर्मचारियों के बीच जो सबसे ज्यादा चर्चा का विषय है, वो है एक करोड़ की रिश्वत का मामला। रिश्वत देने वाला भी आला अफसर है और लेने वाला भी आला अफसर है। लेकिन एमसीएफ का कोई भी अधिकारी इनका नाम लेने को तैयार नहीं है। खबरीलाल के सामने जो चर्चा आई, उसका लब्बोलुआब ये है कि चीफ इंजीनियर स्तर का यह अधिकारी एक बहुत बड़े घोटाले में फंस गया है। सारे सबूत उसके खिलाफ हैं। इस चीफ इंजीनियर को एक ही बड़ा अधिकारी बचा सकता है। बताया जाता है कि दोनों के बीच हाल ही में लंबी बैठक चली और मामला एक करोड़ देने पर सुलझाने की पेशकश हुई। चीफ इंजीनियर लेवल के इस अधिकारी ने एमसीएफ से करोड़ों रुपये कमाये हैं, इसलिए उसने एक करोड़ के लिए हां भरने में देर नहीं लगाई।

जब जाट को आडवाणी याद आया

बंगाल में भले ही भाजपा के पैरों के नीचे से जमीन सरक रही है लेकिन यह पार्टी किसी भी चीज को भुनाने से रोक नहीं पाती। तीन-चार दिन पहले भाजपा आईटी सेल ने एक वीडियो वायरल किया, जिसमें बंगाल की चुनावी रैली के दौरान जब एक कार्यकर्ता मंच पर मोदी के पैर छूने आया तो मोदी ने भी उस कार्यकर्ता के पैर छुए। वैसे तो मोदी के आसपास परिन्दा भी पर नहीं मार सकता, यही नहीं मोदी कैबिनेट में तीन नंबर के मंत्री राजनाथ सिंह को निर्देश है कि वे भी थोड़ा दूरी से बात किया करें, ऐसे में एक मामूली कार्यकर्ता को मोदी के नजदीक आने की इजाजत कैसे दी जा सकती है। जरूर यह प्रचार के लिए प्रायोजित इवेंट था। बहरहल, भाजपा आईटी सेल के निर्देश पर हरियाणा में इसे केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गूर्जर, स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा अनिल विज, सीएम खट्टर समेत अनगिनत नेताओं ने इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया। लेकिन हरियाणा के इन नेताओं को एक हरियाणा जाट ने जो जवाब दिया, उसकी भी चर्चा कम नहीं हुई। सोशल मीडिया पर जाटलैंड के नाम से मशहूर इस अनजान शख्स ने अपनी टिप्पणी में इस वायरल वीडियो के जवाब में लिखा - ढोंगी है पक्का। आडवाणी गेल के करी, सबने बेरा है।... की गुरु मान के पैर छुआ करता फेर वे ही पैर नीचे से खींच के धड़ाम गिरा दिए।

क्या फोटो खिंचवाने के लिए जा पहुंचे

हरियाणा के खेल मंत्री और पूर्व हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह 24 मार्च को फरीदाबाद में नाहर सिंह स्टेडियम का निरीक्षण करने पहुंचे। लेकिन संदीप सिंह का दौरा महज खानापूर्ति तक सीमित रहा। मंत्री ने एक बार भी ठेकेदार को बुलाकर निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री के बारे में पूछताछ नहीं की। वे बस सरसरी तौर पर सारी जानकारियां लेते रहे। अलबत्ता, उनका सरकारी बयान यही आया कि निर्माण की क्वालिटी से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाए। मंत्री संदीप सिंह के साथ फरीदाबाद भाजपा के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा और क्षेत्रीय विधायक सीमा त्रिखा भी स्टेडियम में जा पहुंची शहर का मामला है, गोपाल और सीमा के जाने पर किसी को भला क्या ऐतराज हो सकता है। लेकिन कई महीनों से यहां निर्माण कार्य हो रहा है, उससे पहले दोनों इस स्टेडियम में झांकने क्यों नहीं आए? नाहर सिंह स्टेडियम को फिर से जिन्दा करने के लिए हरियाणा सरकार इस पर 115 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। नाहर सिंह स्टेडियम में जब तक मैच होते रहे तो यह जिन्दा रहा। लेकिन जब इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मैच होना बंद हो गए तो यह स्टेडियम बर्बाद हो गया। फरीदाबाद की जनता आजतक सोई पड़ी है, जिसके सामने शहर की यह बेशकीमती संस्था बर्बाद हो गई।

हे भगत सिंह, इन्हें माफ कर दो!

थाना एनआईटी के सामने वाले चौराहे के बीच में लगी शहीद भगत सिंह की मूर्ति की पूजा करते एनआईटी पांच नंबर निवासी यदविन्दर सिंह अपने आप को शहीदे आजम का पोता बताते हैं। इनके पिता बाबर सिंह अपने आप को उनका भतीजा बताया करते थे। इन दोनों बाप-बेटों को शहीद भगत सिंह के विचारों से कोई लेना-देना नहीं, इनका लेना-देना है तो केवल उनके नाम को बेच कर खाने से। बाबर सिंह ने इस मूर्ति का अनावरण चौटालों के राज में ओम प्रकाश चौटाला से कराया था। उससे पहले वे कांग्रेस सरकार की चापलूसी करके कई तरह के काले-पीले धंधे करते रहे थे। अब यदविन्दर सिंह उस संघी सरकार के तलवे चाट कर शहीदे आजम के नाम को बदनाम करने में जुटे हैं, जो पूरे देश में साम्प्रदायिकता का ज़हर फ़ैला कर सत्ता पर काबिज़ है। इस युवक को शहीद की बदनामी से क्या लेना-देना, इसे तो खट्टर सरकार द्वारा दी जा रही वह मंथली प्यारी है, जिससे इनकी गुजर-बसर व दुकानदारी बढ़िया से चल रही है।

फ़रीदाबाद की सड़कें...वरिष्ठ भाजपा नेता गुस्से में

मज़दूर मोर्चा ब्यूरो

फ़रीदाबाद- ज़िले के वरिष्ठ भाजपा नेता और प्रधानमंत्री जन प्रचार प्रसार के जिला संयोजक राधेश्याम शर्मा ने अचानक सार्वजनिक रूप से सरकार के क्रियाकलाप की निन्दा कर दी है।

शुक्रवार 26 मार्च को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, हरियाणा प्रभारी विनोद तावड़े को फरीदाबाद की सड़कों की बुरी हालत के बारे में सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया पर लिखा है।

राधेश्याम शर्मा ने लिखा है - फ़रीदाबाद स्मार्ट सिटी हरियाणा के नाम पर इतना धन आया कि उसे सच्ची नीयत से उपयोग किया जाता तो फरीदाबाद की सड़कों पर सोने के पत्रे बिछ गए होते। पीने का पानी गंगा जी से आ गया होता। छह साल से सब धन भ्रष्टाचार की भेट चढ गया।

बता दें कि राधेश्याम शर्मा फरीदाबाद में पार्टी के उन पुराने कार्यकर्ताओं में से है जब पार्टी का नामलेवा-पानीदेवा तक इस शहर में कोई नहीं था। लेकिन धीरे धीरे जब पार्टी में धनकुबेरों का प्रवेश होने लगा तो राधेश्याम जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। ओल्ड फरीदाबाद निवासी राधेश्याम शर्मा इन दिनों पार्टी से इतना नाराज़ हैं कि वे उसके सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी नहीं दिखाई देते। पार्टी के कथित बड़े नेता उनसे डरे रहते हैं कि कहीं राधेश्याम शर्मा मुँह से सच न बोल दें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सतीश कुमार ने अपने स्वामित्व में एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सैक्टर-6, नोएडा से मुद्रित करवा कर 708 सैक्टर-14 फरीदाबाद से प्रकाशित किया। Postal Reg. No. L/H.R/FBD/463-06